661

(ग) इस मंत्रालय में पुस्तकें खरीदने के लिये जो व्यक्ति जिम्मेदार हैं वे हिन्दी भीर अन्य भाषाओं के प्रकाशनों की जान-कारी रखते हैं ग्रीर जो पुस्तकों उचित समझी जाती हैं, वे खरीद ली जाती हैं।

t[TiiE PRIME MINISTER AND MI-NISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) Total number of books purchased by the Ministry during the last six months ending with 31 March, 1961 is as below:

	Total number	In Hindi	In English
1. Libraries at Headquarters	621	8	613
2. Libraries at- tached to Indian Mis- sions abroad .	323	143	180
For presenta-	418	39	379

- (b) No Hindi periodicals and newspapers are being subscribed to in the Libraries of the Ministry of External Affairs.
- (c) Those responsible for the purchase of books in the Ministry keep themselves informed of publications in Hindi as in other languages and the ones found suitable are purchased.]

संधियों/करारों के प्रलेखों का हिन्दी में तैयार किया जाना

to Questions

- ७६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कपा करेंगे कि:
- (क) उनके मंत्रालय ने १६५६ तथा १६६० में धन्य देशों के साथ कितनी संधिया धववा करार किये ;
- (ख) इन संधियों अथवा करारों से संबंधित कितने प्रलेख हिन्दी में भी तैयार किये गये : और
- (ग) क्या भविष्य में सभी संधियों तथा करारों को हिन्दी में भी तैयार करने की कोई निविचत व्यवस्था की गई है ग्रथवा तैयार करने का विचार है ?
- t [Preparation of document^ op TREATIES/AGREEMENTS IN HINDI
- 79. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:
- (a) the number of treaties or agreements made with other countries by his Ministry during the years 1959 and 1960;
- (b) the number of documents regarding these treaties or agreements which were prepared in Hindi also; and
- (c) whether any specific arrangements have been made or are proposed to be made for preparing all the treaties and agreements in Hindi also in future?]
- उद्योग मंत्री श्री (मनुभाई ज्ञाह) : (क) इस जानकारी को इकट्टा करना संभव नहीं है। फिर भी यदि माननीय सदस्य